वि.वि. के स्कूल ऑफ वाईल्डलाइफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

स्कूल ऑफ वाईल्डलाइफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज दिनांक 29/10/2021 को आयोजित किया गया। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के यशस्वी कुलपति एवं आज के कार्यशाला के अध्यक्ष डॉ. (प्रो.) एस.पी. तिवारी के निर्देशन में यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक ओर जहाँ सारे प्रदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्चुअल मोड में किये जा रहे थे, उस पर संज्ञान लेते हुये कुलपति महोदय जी ने अनुमति प्रदान की जिसके फलस्वरूप संस्कारधानी में पारम्परिक कार्यक्रम की शुरूआत हुयी है। इस कार्यक्रम में राज्य वन अनुसंधान के वरिष्ठ निर्देशक श्री अमिताभ अग्निहोत्री, जो कि मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रखे। इस एक दिवसीय कार्यशाला में स्कूल ऑफ वाईल्डलाइफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के संस्थापक एवं सेवानिवृत्त संचालक, डॉ. ए.बी. श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे लगभग 30 प्रशिक्षार्थियों को वन्यजीव फॉरेंसिक एवं रोग निदान से संबंधित सक्ष्य एवं जैविक नमूनों का एकत्रित करने की बारीकियों पर तकनीकी प्रशिक्षण दिया इस अवसर पर केन्द्र की संचालिका डॉ.

शोभा जावरे, संयोजक डॉ. के.पी. सिंह, सह–संयोजक डॉ. सोमेष सिंह, डॉ. निधि राजपूत, डॉ. देवेन्द्र पोधाड़े, डॉ. अमोल रोकड़े आदि ने विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया ताकि भविष्य में विभिन्न न्यायालयों मे वन्यजीव से संबंधित प्रकरणों पर सावधानी और जैविक नमूनों को व्यस्थित एवं एकत्रित कर इस स्कूल ऑफ वाईल्डलाइफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, मे लाया जाये। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी), म.प्र. शासन द्वारा उक्त प्रशिक्षण को सफल बनाने हेतु बजट प्रदान किये एवं अपनी शुभकामनाये प्रेषित की ।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, अधिष्ठाता संकाय, कुलसचिव, लेखा नियंत्रक, संचालक अनुसंधान सेवायें, अधिष्ठाता महाविद्यालय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संचालक शिक्षण आदि सम्मिलित हुए।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर